Roll No. ------------------

**MASL-103**

**भारतीय दर्शन**

MA Sanskrit (MASL)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

**TIME: 2 Hours Max Marks: 70**

**नोट : यह प्रश्‍नपत्र सत्‍तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्‍डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्‍येक खण्‍ड में दिए गए विस्‍तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्‍नों को हल करना है। *परीक्षार्थी अपने प्रश्‍नों के उत्‍तर दी गई उत्‍तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्‍त (बी) उत्‍तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

**खण्‍ड -क**

 **(दीर्घ उत्‍तरों वाले प्रश्‍न)**

**नोट : खण्‍ड 'क' में पॉच (05) दीर्घ उत्‍तरों वाले प्रश्‍न दिये गये हैं, प्रत्‍येक प्रश्‍न के लिए उन्‍नीस (19) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्‍नों के उत्‍तर देने हैं । (2×19=38)**

1. विशिष्टाद्वैत दर्शन के आधार पर तत्वत्रय का वर्णन कीजिए ।
2. न्याय दर्शन के इतिहास पर प्रकाश डालिए ।
3. सांख्य दर्शन की तत्वमीमांसा पर प्रकाश डालिए ।
4. सप्तभंगीनय की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए ।
5. अज्ञान की शक्तियों पर प्रकाश डालिए ।

**खण्ड – ख**

**लघु उत्तरों वाले प्रश्न**

**नोट : खण्‍ड ‘ख’ में आठ (08) लघु उत्‍तरों वाले प्रश्‍न दिये गये हैं, प्रत्‍येक प्रश्‍न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्‍नों के उत्‍तर देने हैं। (4×8=32)**

1. जैन दर्शन का प्रारम्भिक इतिहास संक्षिप्त में लिखिए ।
2. संयोग सन्निकर्ष को स्पष्ट कीजिए ।
3. हेत्वाभास के भेदों का निरूपण कीजिए ।
4. चार्वाक दर्शन की कामविषयक अवधारणा को समझाएँ ।
5. अनुबन्ध चतुष्टय को स्पष्ट कीजिए ।
6. पुरुषस्य दर्शनार्थं कैवल्यार्थं इस कारिका को पूरित करते हुए अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
7. श्वेताम्बर तथा दिगम्बर विचारधारा में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।
8. उपाधि क्या है ? उदाहरण सहित समझाएँ ।